हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार 1 मार्च 2026

तापमान
अधिकतम 30.0 डिग्री
न्यूनतम 14.0 डिग्री

13 राजकीय महाविद्यालय के सामने छात्रों ने खेली होली

13 समाज-राष्ट्र के समग्र उत्थान के लिए सिर्फ विचार...

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में युवक की मौत

कैथल। कैथल-कुरुक्षेत्र रोड पर गांव ग्योंग व कठवाड़ के पास शनिवार सुबह हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह युवक कैथल से कुरुक्षेत्र की ओर जा रहा था। जैसे ही वह ग्योंग-कठवाड़ के समीप पहुंचा तो उसकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी। युवक की पहचान गांव जसवंती निवासी गुरमीत के रूप में हुई।

मोटरसाइकिल सवार दो नशा तस्कर पकड़े

कैथल। चौकी महमूदपुर पुलिस ने गश्त के दौरान नाकाबंदी कर बाइक सवार दो युवकों को काबू कर कब्जे से 2 किलोग्राम चूरा पोस्त व 2 लीटर अवैध शराब बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट व आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की पुलिस चौकी महमूदपुर इंचार्ज एसआई राजबीर सिंह अपनी टीम के साथ अपराध रोकथाम के तहत गश्त पर थे।

धोखाधड़ी कर प्लाट हड़पा, चार पर केस

जींद। धोखाधड़ी कर प्लाट हड़पने धमकी देने पर शहर थाना नरवाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ढाकल रोड नरवाना निवासी सतीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने 1995 में सौ गज का प्लाट लेकर आटा चक्की तथा चावल निकालने की मशीन लगाई हुई थी।

धोखाधड़ी करने का आरोपित गिरफ्तार

जींद। साइबर थाना पुलिस ने सात लाख 25 हजार की ऑनलाइन ठगी करने के मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से 15 हजार की नकदी भी बरामद की है। साइबर थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि एक सितंबर 2025 गांव खापड़ निवासी महेश ने पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि उसके साथ वहाट्सअप के माध्यम से अज्ञात व्यक्तियों ने पहले बैंक खाते में विदेशी राशि जमा होने का झांसा दिया और फिर कानूनी कार्रवाई का भय दिखा सात लाख 25 हजार रुपये की साइबर ठगी कर दी।

साइबर ठगी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

कैथल। शेयर मार्केट में रुपये लगवाकर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर 7 लाख 40 हजार रुपये की साइबर ठगी मामले की जांच थाना साइबर क्राइम एसएचओ पीएसआई शुभ्रांशु की अगुवाई में एसआई सुरेंद्र की टीम द्वारा करते हुए आरोपी जिला सिरसा के गांव पंचमाला निवासी कुलदीप तथा गांव धिराज निवासी गुरप्रीत को काबू कर लिया गया।

वैकल्पिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में योग विज्ञान विभाग में वैकल्पिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन करवाया गया। विभाग प्रभारी डा. वीरेंद्र कुमार ने कार्यशाला के लिए आमंत्रित किए गए लेफ्टिनेंट कर्नल रघुबीर सिंह सेवानिवृत्त से परिचित करवाया। उनकी एक्यूप्रेशर, सुजोक, प्राकृतिक चिकित्सा और अन्य वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में विशेषज्ञता हैं।

मतदाता सूची तैयार करने को शेड्यूल जारी

राजौंद। पुनरीक्षण अधिकारी एवं शुगर मिल प्रबंधक कृष्ण कुमार ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची तैयार करने के लिए शेड्यूल जारी किया है। 27 मार्च तक मतदाता सूची तैयार की जाएगी। वार्ड 11 में पार्षद के रिक्त पद को भरने को उप चुनाव होंगे। दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए वार्ड 11 हेतु प्रारूप मतदाता सूची जारी कर दी गई है।

बार एसो.के 60 वर्ष के इतिहास में पहली बार होगा एडहॉक कमेटी का गठन

जिला बार एसो.का काम चलाने के लिए सोमवार को गठित होगी कमेटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जिला बार एसोसिएशन के 60 वर्षों के इतिहास में पहली बार यहां एडहॉक कमेटी का गठन होने जा रहा हे। जींद जिला बार एसोसिएशन का कामकाज देखने के लिए अब एडहॉक कमेटी सोमवार को बनेगी। एडहॉक कमेटी का गठन पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट आरएस रंधावा करेंगे। जब तक चुनाव का परिणाम घोषित नहीं हो जाता और नई कार्यकारिणी का गठन नहीं होता, तब तक यह कमेटी जिला बार एसोसिएशन का कामकाज देखेगी और जरूरी

जिला बार एसोसिएशन।

फैसले लेगी। अभी तक बार एसोसिएशन का चुनाव शांतिपूर्वक होता आया है। चुनाव को लेकर पहली बार विवाद सामने आया है।

शुक्रवार को जिला बार एसोसिएशन के चुनाव कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच हुए थे। मतदान की प्रक्रिया रुकवाने के लिए जिला बार एसोसिएशन के कुछ सदस्यों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुरविंदर सिंह और रमेश कुमारी की डबल बेंच ने मतदान रोकने से मना कर दिया था लेकिन मतों की गणना आगामी आदेशों तक टाल दी थी। मामले की सुनवाई के दौरान जींद जिला बार एसोसिएशन का कामकाज चलाने के लिए एडहाक कमेटी बनाए जाने पर भी विचार हुआ था। इसमें हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट आरएस रंधावा ने खुद अपनी सेवाएं एडहाक कमेटी के गठन में देने की पेशकश की थीए जिसे हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। जींद जिला बार एसोसिएशन का कामकाज अगले कुछ महीने तक चलाने के लिए एडहाक कमेटी का गठन सोमवार को होगा। बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान बलराज श्योराण के अनुसार पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट आरएस रंधावा सोमवार को जींद पहुंचेंगे और बार एसोसिएशन का काम देखने के लिए एडहाक कमेटी का गठन करेंगे। सोमवार को गठित होने वाली एडहाक कमेटी ही बार एसोसिएशन का सारा काम आगामी आदेशों तक देखेगी। उसके अलावा कोई और एडहाक कमेटी मान्य नहीं होगी। 24 अप्रैल को होगी हाईकोर्ट में सुनवाईः जींद जिला एसो चुनावों के सिलसिले में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर अगली सुनवाई 24 अप्रैल को होनी है। 24 अप्रैल तक मतगणना नहीं होगी। 27 फरवरी को हुए मतदान की मत पेटियां सुरक्षित रखवा दी गई हैं।

नतीजों के लिए करना पड़ेगा इंतजार

जींद जिला बार एसो के 60 साल लंबे इतिहास में पहली बार कई नई बातें हुई हैं। पहली बार चुनावों को लेकर मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा और चुनाव रुकवाने का प्रयास अंतिम क्षणों में मतदान की प्रक्रिया शुरू होने के दौरान हुआ। यह भी पहली बार हुआ है कि बार एसो चुनावों के लिए मतदान होने के बाद मतगणना नहीं हुई। पहली बार नतीजों के लिए कुछ महीने तक इंतजार करना पड़ेगा।

कैथल। परीक्षा केंद्रों की जांच करते अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

हिंदी विषय की परीक्षा में 182 विद्यार्थी गैरहाजिर

13803 छात्रों ने दी 10वीं की परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा शनिवार को आयोजित 10वीं कक्षा की हिंदी विषय की परीक्षा जिले में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इसमें 13985 में से 13803 परीक्षा में शामिल हुए। जबकि 182 विद्यार्थी गैरहाजिर रहे। बता दें कि जिले के 74 परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों की आवाजाही शुरू हो गई थी। परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों व विद्यार्थियों की भीड़ देखने को मिली। हालांकि प्रशासन की ओर से केंद्रों पर सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शिक्षा विभाग की ओर से नकल रोकने के लिए विशेष निगरानी रखी गई। उड़नदस्तों और सुपरवाइजरी टीमों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया। अभी तक 10वीं कक्षा की किसी भी परीक्षा में नकल का कोई मामला सामने नहीं आया है, जिससे विभाग ने राहत की सांस ली है। वहीं, नकल रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे तक धारा 163 लागू की गई है। इसमें 200 मीटर के दायरे में स्टेशनरी व फोटो स्टेट की सभी दुकानें बंद करवाई जाती हैं। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष कुमार ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और केंद्र अधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से करवाना विभाग की प्राथमिकता है। परीक्षा समाप्त होने के बाद केंद्रों के बाहर विद्यार्थियों में प्रश्नपत्र को लेकर चर्चा का माहौल नजर आया। अधिकांश विद्यार्थियों ने हिंदी का प्रश्नपत्र संतुलित और पाठ्यक्रम आधारित बताया।

स्टाफ नर्सों ने पीएमओ को पत्र लिख ड्यूटी करने से किया साफ इनकार

रक्तदान शिविर में ड्यूटी लगाने पर नागरिक अस्पताल में बवाल

फिलहाल मुफ्त में मिलने वाले रक्त को लेने पर ही सवालिया निशान

पीएमओ ने सीएमओ को पत्र लिख काम न करने वाली नर्सों के खिलाफ चार्जशीट जारी करने की अनुशंसा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में रक्तदान शिविर में स्टाफ नर्सों की ड्यूटी लगाए जाने पर बवाल खड़ा हो गया है। स्टाफ नर्स ने पीएमओ को पत्र लिख कर ड्यूटी न करने के लिए लिखा है। वहीं प्रधान चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) ने सीएमओ को पत्र लिख कर काम न करने वाली स्टाफ नर्सों के खिलाफ चार्जशीट जारी करने की अनुशंसा की है। फिलहाल नागरिक अस्पताल को मुफ्त में मिलने वाले रक्त को लेने पर ही सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में समाजसेवी संस्थाओं व रक्तदाओं के रक्तदान करने के पुण्य की सोच भी तार-तार हो गई है। यह है मामला : सामाजिक संस्थाओं द्वारा जिला में जरूरत के समय पर रक्त की कमी न रहे, इसके लिए समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं। बाकायदा इसके लिए सामाजिक संस्थाएं खर्चा भी स्वयं वहन करती हैं। वहीं रक्तदान की ड्यूटी आने वाले स्वास्थ्यकर्मियों, नर्सों व चिकित्सकों का मान-सम्मान भी किया जाता है। रविवार को सामाजिक संस्था हेल्प ए मिशन वेलफेयर सोसायटी की तरफ शहर के निजी होटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा को मुख्यअतिथि के तौर पर आना है। रक्तदान शिविर के लिए संस्था द्वारा स्वास्थ्य विभाग से परमिशन भी ले ली गई है। अस्पताल को मुफ्त में उपलब्ध होने वाले रक्त के लिए अस्पताल प्रबंधन ने शिविर में छह स्टाफ नर्सों की डयूटी लगा दी लेकिन स्टाफ नर्सों का कहना था कि शिविर में एलटी की ही डयूटी लगाई जाए। स्टाफ नर्सों ने डयूटी करने से मना करते हुए लिखित में पीएमओ कार्यालय में भी दे दिया। पीएमओ ने मामले को सुलझाने के लिए स्टाफ नर्स व एलटी के साथ बैठक कर मामले को सुलझाने का प्रयास किया लेकिन यह मामला सुलझा नही। इस मामले को लेकर नागरिक अस्पताल में पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया और डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने अस्पताल की स्टाफ नर्सों के साथ बैठक की। बैठक में पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया द्वारा स्टाफ नर्सों को समझाया गया कि यह सब अपनी डयूटी है। कर्मचारियों की कमी के कारण व्यवस्था बनाई गई है। कुछ कर्मचारियों को तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से भी बुलाया गया है। इस पर स्टाफ नर्सों ने एतराज जताते हुए शिविर में जाने से साफ मना कर दिया। दोनों उच्च अधिकारियों के बार-बार समझाने के बाद भी स्टाफ नर्स ने रक्तदान शिविर में डयूटी से साफ मना किया। इस दौरान संबंधित स्टाफ नर्सों ने उच्चाधिकारियों से गुस्से के लहजे से बात की और विभागीय आदेशों की अवहेलना भी की।

जींद। स्टाफ नर्स के साथ बैठक करते पीएमओ व डिप्टी एमएस।

वार्डों में मरीजों को संभालने की ड्यूटी

स्टाफ नर्स शारदा ने कहा कि उनकी डयूटी वार्डों में मरीजों को संभालने की है लेकिन हर बार उनकी रक्तदान शिविर में डयूटी लगा दी जाती है। वार्डों में स्टाफ नर्सों की कमी के कारण मरीजों को परेशानी उठानी पड़ती है।

रक्तदान शिविर अहमः पीएमओ

प्रधान चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) डा. रघुवीर पूनिया ने कहा कि कुछ स्टाफ नर्सों ने रक्तदान शिविर में डयूटी करने से मना किया है। इसको लेकर स्टाफ नर्स के द्वारा लिखित में दिया गया है। इस बारे में सीएमओ को अवगत करवा दिया गया है। बाकायदा संबंधित स्टाफ नर्सों के खिलाफ चार्जशीट जारी करने की अनुशंसा की है। रक्तदान शिविर की अहमियत अस्पताल के लिए बहुत है।

सहयोग करना सबकी जिम्मेदारी

इस पूरे घटनाक्रम को अनुशासनहीनता मानते सीएमओ को विस्तृत रिपोर्ट भेजी है। पीएमओ ने सीएमओ को लिखे पत्र में कहा है कि सरकारी कार्यक्रमों में सहयोग करना सभी कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। इस प्रकार का रवैया विभागीय कार्यप्रणाली को प्रभावित करता है। उन्होंने सीएमओ को पत्र के माध्यम से मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। इससे पहले भी स्टाफ नर्सों ने शिविर में जाने से मना कर दिया था।

मासूम शर्मा और मुआना पूर्व सरपंच विवाद खत्म

जींद। गांव मुआना के पूर्व सरपंच राजेंद्र शर्मा को स्टेज से उतारने को लेकर गायक मासूम शर्मा के साथ हुए विवाद का शनिवार को पटाक्षेप हो गया है। पूर्व सरपंच राजेंद्र शर्मा ने कहा कि मासूम शर्मा ने फोन पर माफी मांग ली है। अब यह विवाद खत्म हो गया है। मासूम शर्मा ने यह भी कहा कि वह आकर उनसे मिलेगा। गौरतलब है कि सरपंच एसोसिएशन ने मासूम शर्मा को माफी मांगने के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया थाए जो शनिवार को खत्म हो गया था। गांव मुआना के पूर्व सरपंच राजेंद्र शर्मा ने कहा कि शनिवार को मुआना में परिवार के लोग एकत्रित हुए थे। मासूम शर्मा के भाई तथा धर्मू ने तो पहले ही माफी मांग ली थी। शनिवार को परिवार के लोगों ने चर्चा की। फोन पर मासूम शर्मा ने भी बात की।

जींद। रनिंग ट्रायल के दौरान हाइड्रोजन ट्रेन। फोटो :हरिभूमि

हाइड्रोजन ट्रेन का रनिंग ट्रायल चौथे दिन भी रहा जारी

जींद। हाइड्रोजन ट्रेन की रनिंग ट्रायल शनिवार को चौथे दिन जारी रही। शनिवार को सुबह लगभग पौने आठ बजे ट्रेन जींद जंक्शन से सोनीपत के लिए चली थी। पहले ट्रेन लगभग 20 मिनट के बाद पांडू पिंडारा स्टेशन पर पहुंची। इसके बाद ट्रेन लगभग आठ बजकर 25 मिनट पर सोनीपत की ओर रवाना हुई। भंभेवा से ट्रेन सुबह नौ बजकर 26 मिनट से पिंडारा की ओर रवाना हुई। ट्रेन नौ बजकर 45 मिनट पर पांडू पिंडारा पहुंची। पांडू पिंडारा से ट्रेन लगभग दस बजे सोनीपत के लिए रवाना हुई। सोनीपत से ट्रेन दोपहर एक बजे के बाद पांडू पिंडारा पहुंची। दोपहर लगभग दो बजे ट्रेन जींद जंक्शन के लिए रवाना हुई और लगभग 20 मिनट के बाद ट्रेन जींद पहुंची। ट्रायल के दौरान ट्रेन ने सोनीपत जाते समय पांडू पिंडारा और भंभेवा के बीच एक चक्कर लगाया। पांडू पिंडारा स्टेशन पर ट्रेन की टेस्टिंग की भी की गई थी। आरडब्यूएस टीम की ट्रायल पूरी हो गई है। ऐसे में ट्रेन के जल्द ट्रैक पर दौडने की संभावना है। गौरतलब है कि हाइड्रोजन ट्रेन का चार दिन तक रनिंग ट्रायल किया गया है।

जींद-दिल्ली रूट पर ट्रेनों का संचालन रहा बाधित

घेवरा और बहादुरगढ़ के बीच स्लैब बिछाने के कारण आ रही रूकावट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

घेवरा और बहादुरगढ़ के बीच स्लैब बिछाने के कारण जींद-दिल्ली रूट पर शनिवार को जींद-दिल्ली रूट पर ट्रेनों का संचालन बाधित रहा। इस कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेन रद्द रहने के कारण यात्रियों ने रोडवेज बसों की ओर रुख किया। स्लैब बिछाने के कारण ट्रेन नंबर 64912, ट्रेन नंबर 64915, ट्रेन नंबर 54034, ट्रेन नंबर 54031, ट्रेन नंबर 64932, ट्रेन नंबर 64931, ट्रेन नंबर 54032, ट्रेन नंबर 54035 व ट्रेन नंबर 54033 रद्द रही। इसके अलावा ट्रेन नंबर 12481-12482 श्री गंगानगर एक्सप्रेस को रोहतक तक ही चलाया जाएगा। वहीं ट्रेन नंबर 54036 को जींद तक चलाया गया। गौरतलब है कि जींद-दिल्ली रूट पर ट्रेनों में काफी यात्री सफर करते हैं। ट्रेनों के रद रहने पर यात्रियों ने रोडवेज बसों का सहारा लिया। जींद से दिल्ली रूट पर छह से ज्यादा रोडवेज बस चलती हैं जो अल सुबह ही चली जाती हैं। ऐसें दोपहर बाद यात्रियों को दिल्ली जाने के लिए रोहतक की बस पकडऩी पड़ी और फिर रोहतक से दिल्ली के लिए बस बदली। जो ट्रेन शनिवार को रद रही हैं। उसमें से ट्रेन नंबर 64912 रोहतक-नई दिल्ली मेमू ट्रेन सुबह पांच बजकर 40 मिनट पर जींद से चलकर सुबह लगभग दस बजे नई दिल्ली पहुंचती है।

उपायुक्त ने किया पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण

शहर के पार्कों में बढ़ाया जाएगा सौंदर्यीकरण: अपराजिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

डीसी अपराजिता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का दिल से सम्मान करती हूं, जिनके बारे में पढ़ते हुए मैं बड़ी हुई हूं। अटल जी के सम्मान में सरकार द्वारा उनकी प्रतिमा का अनावरण करने का निर्णय लिया गया था। मुझे गर्व महसूस हो रहा है कि आज मैंने स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करने का मौका मिला। यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत रहेगी। डीसी अपराजिता ने शनिवार को सैक्टर 20 स्थित पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर सेक्टर वासियों ने डीसी का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया और पार्क की सुंदरता बढ़ाने और अन्य सुविधाएं प्रदान के लिए धन्यवाद भी किया। इस अवसर बीजेपी जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी, नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, डीएमसी कपिल शर्मा, आरडब्ल्यूए प्रधान जगमोहन आदि मौजूद रहे। डीसी अपराजिता ने कहा कि यह पार्क अब साफ और सुंदर बन गया है, इसलिए सेक्टर वासी इसका सही से उपयोग करें। पार्क में झूले, ओपन जिम की सुविधा प्रदान की गई है, ताकि बच्चे मनोरंजन के साथ-साथ ओपन जिम में अपने स्वास्थ्य को सही रख सके। डस्टबिन में ही कुड़ा डालें। मूलभूत सभी सुविधाएं पार्क में उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि शहर के सभी पार्कों में सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा।

पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करती डीसी अपराजिता

ये रहे मौजूद

बीजेपी जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी, नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, डीएमसी कपिल शर्मा, डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी, आरडब्ल्यूए प्रधान जगमोहन, बृज भूषण, सुरेश संधु, विजय गर्ग, निधि मोहन, नगरपरिषद अधिकारियों में ईओ संदीप सोलंकी, सचिव पवन शर्मा, एमई वरूण शर्मा, संजीव धीमान, संदीप, आशीष के अलावा सेक्टर वासी मौजूद रहे।

डीसी अपराजिता आरकेएसडी कालेज में खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते।

खेल चरित्र निर्माण में सहायक : अपराजिता

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि खेलों से चरित्र निर्माण में मदद होती है। खेलों मे भाग लेना महत्वपूर्ण होता है, खेल को हमेशा खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाकर बच्चों ने अपने क्षेत्र का ही नहीं, अपितु प्रदेश व देश का नाम विश्व में रोशन किया है। सभी इस प्रतियोगिता में अच्छे से भाग लें और चरित्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएं। डीसी अपराजिता शनिवार को आरकेएसडी कॉलेज में आयोजित 65वीं खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ उपरांत खिलाड़ियों को संबोधित कर रही थी। इससे पहले आरकेएसडी कॉलेज संस्थान के प्रतिनिधियों ने डीसी अपराजिता का कार्यक्रम में पहुंचने पर स्वागत किया। उपरांत डीसी ने झंडा फहराकर व खुले आसमान में गुब्बारे छोड़कर खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत की।

होली से समझें निवेश के चटख रंग

लाल पीला, हरा या नीला

किस 'रंग' के एसेट में कितना पैसा लगाने से भविष्य होगा मजबूत

•

गोल्ड, इक्विटी, डेब्ट और हाई-रिस्क निवेश में उम्र के हिसाब से पैसा लगाएं

होली का आनंद तभी है जब हर रंग का संतुलित मिश्रण हो। ठीक वैसे ही निवेश में भी संतुलन जरूरी है। यदि आप इन चारों रंगों का सही तालमेल बिठा लेते हैं, तो आपका भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बन सकता है। इस होली केवल गुलाल न उड़ाएं, बल्कि अपने वित्तीय जीवन को भी नए रंग दें। अनुशासन, धैर्य और संतुलन यही है सफल निवेश का मंत्र। जब आपका पोर्टफोलियो संतुलित होगा, तभी आपका भविष्य सच में रंगीन व खुशहाल होगा।

निवेश मंत्रा

सेंट्रल डेस्क

होली का त्योहार रंगों, उमंग और नई शुरुआत का प्रतीक है। जैसे होली के हर रंग का अपना महत्व होता है, वैसे ही निवेश की दुनिया में भी हर एसेट क्लास की अलग भूमिका होती है। अक्सर लोग निवेश को लेकर दो बड़ी गलतियां करते हैं या तो सारा पैसा सुरक्षित समझकर एफडी और बचत खाते में डाल देते हैं, या फिर तेजी के लालच में पूरा धन शेयर बाजार में लगा देते हैं। दोनों ही स्थितियां लंबे समय में संतुलित नहीं मानी जातीं। असल में मजबूत वित्तीय भविष्य का राज डायवर्सिफिकेशन यानी संतुलित निवेश में छिपा है। यदि आपके पोर्टफोलियो में पीला (गोल्ड), हरा (इक्विटी), नीला (डेब्ट) और थोड़ा सा लाल (हाई-रिस्क) रंग सही अनुपात में हो, तो आपका आर्थिक जीवन भी होली की तरह रंगीन और संतुलित बन सकता है।

पीला रंग
गोल्ड, सुरक्षा व स्थायित्व

भारत में सोना सिर्फ धातु नहीं, भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व भी रखता है। निवेश की दृष्टि से गोल्ड को सेफ हेवन कहा जाता है। जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, आर्थिक अनिश्चितता बढ़ती है या वैश्विक तनाव होता है, तब सोना अक्सर स्थिरता प्रदान करता है। गोल्ड का मुख्य उद्देश्य तेज रिटर्न देना नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो को संतुलित रखना है। यह महंगाई के खिलाफ एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुल निवेश का लगभग 10% से 15% हिस्सा गोल्ड में होना चाहिए। इससे ज्यादा निवेश करने से ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। आज के समय में फिजिकल गोल्ड की बजाय सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, गोल्ड ईटीएफ या डिजिटल गोल्ड बेहतर विकल्प माने जाते हैं। इससे शुद्धता, सुरक्षा और पारदर्शिता बनी रहती है।

हरा रंग
इक्विटी ग्रोथ का असली इंजन

हरा रंग खुशहाली और तरक्की का प्रतीक है। निवेश में यह इक्विटी यानी शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड को दर्शाता है। यदि आपका लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की उच्च शिक्षा या वित्तीय स्वतंत्रता—तो इक्विटी से बेहतर विकल्प मुश्किल है। इतिहास बताता है कि लंबी अवधि (15–20 वर्ष) में इक्विटी ने अन्य एसेट क्लास की तुलना में बेहतर रिटर्न दिए हैं। हालांकि इसमें उतार-चढ़ाव रहता है, लेकिन समय के साथ यह अस्थिरता संतुलित हो जाती है। एक सरल फॉर्मूला यह है कि 100 में से अपनी उम्र घटाइए जो संख्या आए, उतना प्रतिशत इक्विटी में निवेश किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपकी उम्र 30 वर्ष है, तो लगभग 70% तक इक्विटी में निवेश संभव है (जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार)। नए निवेशकों के लिए सीधे शेयर खरीदने की बजाय एसआईपी के माध्यम से डायवर्सिफाइड म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर रहता है। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम होता है और नियमित निवेश की आदत बनती है।

नीला रंग : डेब्ट/एफडी :
स्थिरता और भरोसा

नीला रंग शांति और संतुलन का प्रतीक है। निवेश में यह डेब्ट इंस्ट्रूमेंट्स जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), डेब्ट म्यूचुअल फंड और बॉन्ड को दर्शाता है। डेब्ट का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न देना है। यह उन लक्ष्यों के लिए जरूरी है जो निकट भविष्य में पूरे करने हैं, जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर की डाउन पेमेंट या इमरजेंसी फंड। हर व्यक्ति को कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड डेब्ट में रखना चाहिए। इससे अचानक नौकरी जाने, बीमारी या अन्य आर्थिक संकट की स्थिति में मदद मिलती है। डेब्ट का हिस्सा उम्र के साथ बढ़ाना समझदारी है। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आता है, जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। हालांकि एफडी सुरक्षित विकल्प है, लेकिन डेब्ट म्यूचुअल फंड या उच्च रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड भी बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। निवेश से पहले जोखिम और टैक्स प्रभाव को समझना जरूरी है।

लाल रंग : हाई रिस्क, अवसर और सावधानी

लाल रंग ऊर्जा और जोश का प्रतीक है, लेकिन निवेश में यह सावधानी का संकेत भी देता है। इसमें क्रिप्टोकरेंसी, पेनी स्टॉक्स, स्मॉल कैप के अत्यधिक अस्थिर शेयर या ट्रेंड आधारित निवेश शामिल हो सकते हैं। इनमें कम समय में बड़ा रिटर्न मिलने की संभावना होती है, लेकिन नुकसान का खतरा भी उतना ही अधिक रहता है। इसलिए इसमें कुल निवेश का 2% से 5% से अधिक हिस्सा नहीं होना चाहिए। लाल रंग को मुख्य निवेश की तरह नहीं, बल्कि प्रयोगात्मक हिस्से की तरह देखें। यदि नुकसान हो भी जाए, तो आपकी कुल वित्तीय स्थिति पर बड़ा असर न पड़े।

उम्र के अनुसार निवेश का संतुलन

उम्र के साथ वित्तीय प्राथमिकताएं बदलती हैं। इसलिए पोर्टफोलियो का संतुलन भी समय-समय पर बदलना चाहिए।

20–30 वर्ष : इस उम्र में जिम्मेदारियां कम और जोखिम लेने की क्षमता अधिक होती है। लगभग 70% इक्विटी, 20% डेब्ट और 10% गोल्ड उपयुक्त हो सकता है।

30–45 वर्ष : परिवार और जिम्मेदारियां बढ़ती हैं। इक्विटी 50–60%, डेब्ट 25–35% और गोल्ड 10–15% तक संतुलित रखा जा सकता है।

45–55 वर्ष : रिटायरमेंट की योजना बनानी शुरू कर दें। इक्विटी कम कर 30–40% रखें और डेब्ट 50% तक बढ़ाएं।

60 वर्ष के बाद : पूंजी की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। 60–70% डेब्ट, 10–20% गोल्ड और सीमित इक्विटी पर्याप्त है।

इस होली करें पोर्टफोलियो की सफाई

- जैसे हम होली से पहले घर की सफाई करते हैं, वैसे ही निवेश की समीक्षा भी जरूरी है।
- उन निवेशों को हटाएं जो वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रहे हैं।
- यदि बाजार तेजी से बढ़ा है और इक्विटी का हिस्सा बहुत ज्यादा हो गया है, तो मुनाफा निकालकर डेब्ट या गोल्ड में ट्रांसफर करें।
- हर साल कम से कम एक बार री-बैलेंसिंग करें।
- छोटी राशि से भी नई एसआईपी शुरू करें। नियमित निवेश लंबी अवधि में बड़ा अंतर लाता है।
- बीमा और इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता दें।

ऐसे समझें महत्व

- पीला रंग देता है सुरक्षा।
- हरा रंग देता है ग्रोथ।
- नीला रंग देता है स्थिरता।
- लाल रंग देता है अवसर।

सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट के लिए क्यों बढ़ रहा पैसिव फंड्स का क्रेज?

बचत

सेंट्रल डेस्क

क्या आप भी आईटी या बैंकिंग सेक्टर की तेजी का फायदा उठाना चाहते हैं, लेकिन स्टॉक चुनने में उलझे हैं? तो आप अकेले नहीं हैं। बदलते निवेश ट्रेंड्स के बीच, अब निवेशकों के लिए एक स्मार्ट और आसान तरीका सामने आया है: पैसिव म्यूचुअल फंड्स। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के अनुसार, पैसिव फंड्स अब सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान बना रहे हैं, और इसने निवेशकों के बीच इसका क्रेज तेजी से बढ़ाया है। इस लेख में हम जानेंगे कि पैसिव फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता के पीछे क्या कारण हैं और कैसे यह निवेशकों को सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट में एक बेहतरीन विकल्प दे रहे हैं।

पैसिव फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता

आज के निवेश माहौल में, जहां अनिश्चितताएं और बाजार के उतार-चढ़ाव सामान्य हो गए हैं, निवेशक अपनी निवेश रणनीतियों को सरल, सस्ते और सुरक्षित बनाने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। पैसिव फंड्स का एक प्रमुख लाभ यह है कि ये कम लागत, अच्छी पारदर्शिता, और कम जोखिम के साथ निवेश के एक बेहतरीन तरीके के रूप में उभर रहे हैं। पैसिव म्यूचुअल फंड्स अब निवेशकों के लिए एक बहुत ही आकर्षक विकल्प बन चुके हैं। ये न केवल सस्ते होते हैं, बल्कि सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को भी आसान और सुरक्षित बना रहे हैं। पहले जहां किसी विशेष सेक्टर में निवेश करने के लिए काफी रिसर्च और स्टॉक चयन की आवश्यकता होती थी, वहीं पैसिव फंड्स ने इसे सरल बना दिया है। इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ के माध्यम से, निवेशक अब आसानी से किसी भी सेक्टर की ग्रोथ का फायदा उठा सकते हैं, चाहे वह आईटी, फार्मा, बैंकिंग, या कोई और सेक्टर हो।

सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट क्यों है आसान?

पैसिव फंड्स का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सीधे किसी इंडेक्स को फॉलो करता है, जैसे कि निफ्टी आईटी, निफ्टी बैंक, या निफ्टी फार्मा। इन फंड्स का मैनेजर केवल उस इंडेक्स में मौजूद स्टॉक्स में निवेश करता है, जैसा कि इंडेक्स में निर्धारित होता है। इससे निवेशक को स्टॉक्स के चयन में होने वाली गलती से बचने का फायदा मिलता है। माना कि आप मानते हैं कि आईटी सेक्टर आने वाले समय में अच्छा प्रदर्शन करेगा। अब, अगर आप इस सेक्टर में निवेश करना चाहते हैं, तो पहले आपको उसके कुछ प्रमुख स्टॉक्स का चुनाव करना पड़ता था। लेकिन अब पैसिव फंड्स के जरिए आप बिना किसी जोखिम के पूरे आईटी सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इसका मतलब है कि आप उस सेक्टर के सारे स्टॉक्स में निवेश कर रहे होते हैं, न कि केवल कुछ चुने हुए स्टॉक्स में। इससे, किसी एक स्टॉक के गलत चुनाव से होने वाले नुकसान का खतरा भी कम हो जाता है, आप पूरी इंडस्ट्री की ग्रोथ में शामिल होते हैं।

कम लागत और पारदर्शिता का फायदा

अन्य कारण जो पैसिव फंड्स को निवेशकों के बीच अधिक लोकप्रिय बना रहा है, वह है इनकी कम लागत व पारदर्शिता। पैसिव फंड्स का एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम होता है, जो निवेशक के लॉन्ग-टर्म रिटर्न पर सकारात्मक असर डालता है। पैसिव फंड्स में निवेशक को स्पष्ट रूप से पता होता है कि उनका पैसा किस-किस स्टॉक में निवेशित है, क्योंकि ये फंड्स किसी विशेष इंडेक्स का अनुसरण करते हैं। उदाहरण के लिए, निफ्टी आईटी इंडेक्स में जो 10-15 स्टॉक्स शामिल हैं, वे सभी पैसिव फंड में भी मौजूद होते हैं। इस पारदर्शिता की वजह से निवेशकों को ये फंड्स अधिक विश्वसनीय और सुरक्षित लगते हैं। यही कारण है कि ये छोटे और नए निवेशकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बन चुके हैं।

सेक्टोरल कॉल्स लेने में रिस्क मैनेजमेंट

हालांकि, सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट में जोखिम हमेशा रहता है। किसी एक सेक्टर पर अधिक निर्भरता कभी भी नुकसानदायक हो सकती है, अगर वह सेक्टर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न करे। लेकिन पैसिव फंड्स के जरिए इस रिस्क को बेहतर तरीके से मैनेज किया जा सकता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का मानना है कि पैसिव फंड्स के जरिए निवेशक अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। सेक्टोरल फंड्स, जैसे कि आईटी, बैंकिंग, या फार्मा, इन क्षेत्रों में उछाल आने पर अच्छा रिटर्न देते हैं। इन फंड्स में निवेश करने से निवेशक उस पूरे सेक्टर के लाभ का पूरा फायदा उठा सकते हैं। साथ ही, इन फंड्स में लिक्विडिटी भी अच्छी होती है, यानी निवेशक अपनी स्थिति के हिसाब से आसानी से अपने निवेश को भुना सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर बैंकिंग सेक्टर में तेजी आती है और आपको लगता है कि यह काफी समय तक बढ़ेगा, तो आप बैंकिंग पैसिव फंड्स में निवेश कर सकते हैं। यदि किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो आप अपने निवेश को बदल सकते हैं और दूसरी सेक्टरल फंड में ले सकते हैं।

पैसिव फंड्स का भविष्य

आज के निवेशकों के लिए, जिनके पास समय की कमी है और जो रिसर्च या स्टॉक चयन में उलझना नहीं चाहते, पैसिव फंड्स एक बेहतरीन समाधान हो सकते हैं। इन फंड्स में निवेश करने के द्वारा, निवेशक सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट का फायदा उठाते हुए कम लागत में अधिक पारदर्शिता और सुरक्षित तरीके से निवेश कर सकते हैं। यही कारण है कि ये फंड्स अब निवेशकों के बीच एक लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। वहीं, जैसे-जैसे बाजार और निवेश की दुनिया में बदलाव हो रहा है, पैसिव फंड्स का महत्व और बढ़ने की संभावना है। यह उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो आर्थिक बदलावों का फायदा उठाना चाहते हैं, लेकिन जोखिम से बचना भी चाहते हैं।

इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान

पैसिव फंड्स ने निवेशकों के लिए सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान और सुरक्षित बना दिया है। पहले जहां निवेशक को सेक्टोरल स्टॉक्स के चयन में काफी रिसर्च करनी पड़ती थी, वहीं अब पैसिव फंड्स ने इस काम को आसान बना दिया है। इसके जरिए निवेशक किसी भी खास सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। कम लागत, पारदर्शिता व बेहतर रिस्क मैनेजमेंट की वजह से पैसिव फंड्स अब निवेशकों की पहली पसंद बन रहे हैं। चाहे आप आईटी सेक्टर में निवेश करना चाहते हों या बैंकिंग सेक्टर की तेजी का फायदा उठाना चाहते हों, पैसिव फंड्स आपको इसे सरल और प्रभावी तरीके से करने का मौका दे रहे हैं।

जानकारी

सेंट्रल डेस्क

मल्टी-एसेट फंड्स का क्रेज, गोल्ड और सिल्वर ने चमकाई निवेशकों की किस्मत

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में निवेशकों का रुख तेजी से मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स (एमएएफएस) की ओर बढ़ा है। अस्थिर बाजार में जहां पारंपरिक इक्विटी स्कीम्स के रिटर्न दबाव में रहे, वहीं इन फंड्स ने विविध एसेट क्लास में निवेश की रणनीति से निवेशकों को बेहतर संतुलित रिटर्न दिया। ताजा उद्योग आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) पिछले एक साल में 72% बढ़कर करीब 1.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह उछाल बताता है कि निवेशक अब केवल शेयर बाजार पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित और सुरक्षित विकल्पों की तलाश में हैं।

गोल्ड और सिल्वर की रिकॉर्ड तेजी का असर

पिछले एक वर्ष में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, मल्टी-एसेट फंड्स ने औसतन 23% का रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 50 ने इसी अवधि में लगभग 14.27% का रिटर्न दिया। इस बेहतर प्रदर्शन के पीछे प्रमुख कारण रहा कीमती धातुओं की चमक। चांदी की कीमतों में लगभग 171% और सोने में करीब 81% तक की तेजी दर्ज की गई। चूंकि मल्टी-एसेट फंड्स अपने पोर्टफोलियो में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ या संबंधित इंस्ट्रूमेंट्स शामिल करते हैं, इसलिए इनकी कीमतों में उछाल का सीधा फायदा निवेशकों को मिला।

क्या हैं मल्टी-एसेट फंड्स?

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हाइब्रिड म्यूचुअल फंड होते हैं जो कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इनमें इक्विटी (शेयर), फिक्स्ड इनकम (बॉन्ड/डेट इंस्ट्रूमेंट) और कमोडिटी (मुख्यतः सोना और चांदी) शामिल हैं। इन फंड्स की सबसे बड़ी खासियत है ऑटोमैटिक रीबैलेंसिंग। यानी अगर शेयर बाजार बहुत तेजी से ऊपर जाता है और पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर मुनाफावसूली कर उस राशि को गोल्ड या डेट में शिफ्ट कर देता है। इसी तरह, यदि बाजार गिरता है तो कम कीमत पर इक्विटी बढ़ाई जाती है। इससे जोखिम संतुलित रहता है और निवेशक को बार-बार खुद निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ती।

अस्थिर बाजार में स्थिरता का सहारा

बाजार की अनिश्चितता के दौर में डायवर्सिफिकेशन (विविधीकरण) सबसे कारगर रणनीति मानी जाती है। मल्टी-एसेट फंड्स इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। जब इक्विटी कमजोर होती है, तब डेट या गोल्ड सहारा देते हैं। वहीं तेजी के दौर में इक्विटी रिटर्न को आगे बढ़ाती है। वेल्थ मैनेजर्स का कहना है कि जिन निवेशकों के पास बाजार को लगातार ट्रैक करने का समय या अनुभव नहीं है, उनके लिए यह विकल्प बेहद उपयुक्त है। खासकर नए निवेशकों या मध्यम जोखिम लेने वालों के लिए ये फंड संतुलित रणनीति पेश करते हैं।

टैक्स का फायदा भी बड़ा कारण

मल्टी-एसेट फंड्स की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण टैक्स एफिशिएंसी भी है। यदि कोई निवेशक खुद शेयर बेचकर सोना खरीदता है या एसेट क्लास बदलता है, तो हर लेनदेन पर उसे कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है। लेकिन फंड के भीतर फंड मैनेजर द्वारा की गई खरीद-फरोख्त पर निवेशक को अलग से टैक्स नहीं देना होता। यदि किसी मल्टी-एसेट फंड में इक्विटी का हिस्सा 65% या उससे अधिक है, तो वह टैक्स के लिहाज से इक्विटी फंड की श्रेणी में आता है। ऐसे में निवेशक को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स का लाभ मिलता है, जो अन्य विकल्पों की तुलना में अधिक फायदेमंद हो सकता है। यही वजह है कि टैक्स प्लानिंग के नजरिए से भी ये स्कीम आकर्षक बन रही हैं।

किसके लिए हैं उपयुक्त?

- वे निवेशक जो मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहते हैं
- वे लोग जिनके पास पोर्टफोलियो मैनेज करने का समय नहीं है
- रिटायरमेंट या दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए संतुलित निवेश चाहने वाले
- अस्थिर बाजार में पूंजी संरक्षण के साथ ग्रोथ चाहने वाले
- हर निवेशक की जरूरत और जोखिम क्षमता अलग होती है। इसलिए फंड चुनते समय यह देखना जरूरी है कि उसमें इक्विटी, डेट और कमोडिटी का अनुपात क्या है। कुछ फंड आक्रामक होते हैं जिनमें इक्विटी का हिस्सा ज्यादा होता है, जबकि कुछ अपेक्षाकृत रक्षात्मक रणनीति अपनाते हैं।

क्या आगे भी बनी रहेगी चमक?

विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के माहौल में गोल्ड और सिल्वर जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग बनी रह सकती है। हालांकि, पिछले साल जैसी असाधारण तेजी हर साल मिले, यह जरूरी नहीं। इसलिए निवेशकों को केवल पिछले रिटर्न देखकर निर्णय नहीं लेना चाहिए, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्य और समयावधि के अनुसार रणनीति बनानी चाहिए।

रिटायरमेंट के समय निवेश की बदल जाती हैं प्राथमिकताएं, महंगाई भी बड़ी चुनौती

सीनियर सिटीजंस के लिए म्यूचुअल फंड सबसे सुरक्षित व फायदेमंद

रिटायरमेंट के बाद नहीं होगी कोई परेशानी, आराम से कटेगा बुढ़ापा

पूंजी को सुरक्षित रखते हुए बनाना होता है नियमित कैश फ्लो

तैयारी

सेंट्रल डेस्क

रिटायरमेंट के बाद जिंदगी का सबसे अहम सवाल होता है क्या नियमित आय बनी रहेगी और क्या जमा पूंजी सुरक्षित रहेगी? नौकरी के दौरान हर महीने सैलरी आती है, लेकिन रिटायरमेंट के बाद वही आय पेंशन, ब्याज या निवेश पर निर्भर हो जाती है। ऐसे में सिर्फ पैसा बचाकर रखना काफी नहीं होता, बल्कि उसे समझदारी से निवेश करना जरूरी हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीनियर सिटीजंस के लिए ऐसे म्यूचुअल फंड्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर रिटर्न और नियमित आय की सुविधा दें। रिटायरमेंट के समय निवेश की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। अब लक्ष्य तेजी से पैसा बढ़ाना नहीं, बल्कि पूंजी को सुरक्षित रखते हुए नियमित कैश फ्लो बनाना होता है। साथ ही महंगाई भी एक बड़ी चुनौती है। अगर पैसा सिर्फ सेविंग अकाउंट या पारंपरिक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में रखा जाए, तो महंगाई की वजह से उसकी वास्तविक क्रय शक्ति घट सकती है। इसलिए ऐसी रणनीति जरूरी है जो जोखिम को सीमित रखते हुए लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सके। वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, सीनियर सिटीजंस के लिए कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, इक्विटी सेविंग्स फंड्स और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स जैसे विकल्प संतुलित निवेश का रास्ता दिखाते हैं। इन फंड्स के साथ सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) जोड़ दिया जाए तो हर महीने नियमित आय भी सुनिश्चित की जा सकती है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स: मार्केट के हिसाब से एसेट एलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स या डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट में निवेश का अनुपात बदलते रहते हैं। जब बाजार महंगा या जोखिमपूर्ण दिखता है, तो फंड मैनेजर इक्विटी एक्सपोजर घटाकर डेट में निवेश बढ़ा देते हैं। वहीं बाजार में गिरावट के समय इक्विटी हिस्सा बढ़ाया जाता है। इस रणनीति का फायदा यह है कि निवेशक को बाजार के समय का अनुमान लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। फंड मैनेजर खुद जोखिम को मैनेज करता है। रिटायरमेंट के बाद ऐसे फंड्स निवेशकों को अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने का प्रयास करते हैं।

किन बातों का रखें ध्यान?

हालांकि ये फंड्स अपेक्षाकृत कम जोखिम वाले माने जाते हैं, फिर भी निवेश से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है

जोखिम प्रोफाइल समझें: हर व्यक्ति की जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है।

एसेट एलोकेशन तय करें

- **आपातकालीन फंड रखें :** कम से कम 6 से 12 महीने का खर्च लिक्विड फंड या सेविंग अकाउंट में रखें।
- **टैक्स प्लानिंग करें :** निकासी और कैपिटल गेन पर लगने वाले टैक्स को समझें।
- **वित्तीय सलाह लें :** किसी प्रमाणित वित्तीय सलाहकार से सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स : सुरक्षा के साथ सीमित ग्रोथ

रिटायर्ड निवेशकों के लिए कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स एक लोकप्रिय विकल्प बन रहे हैं। इन फंड्स में आमतौर पर 75 से 90 प्रतिशत हिस्सा डेट इंस्ट्रूमेंट्स जैसे सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश किया जाता है। बाकी 10 से 25 प्रतिशत हिस्सा इक्विटी में लगाया जाता है। डेट हिस्से की वजह से पोर्टफोलियो में स्थिरता बनी रहती है, जबकि सीमित इक्विटी एक्सपोजर महंगाई से मुकाबला करने में मदद करता है। यही वजह है कि जोखिम लेने से बचने वाले सीनियर सिटीजंस के लिए ये फंड्स एफडी की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, साथ ही उतार-चढ़ाव भी नियंत्रित रहता है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये भी बाजार आधारित उत्पाद हैं। इनमें रिटर्न की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबे समय में संतुलित प्रदर्शन देखने को मिला है।

इक्विटी सेविंग्स फंड्स : संतुलन और टैक्स एफिशिएंसी

इक्विटी सेविंग्स फंड्स उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयुक्त माने जाते हैं, जो 3 से 5 साल की मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि ये इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज रणनीति के बीच संतुलन बनाते हैं। आर्बिट्राज का मतलब है बाजार के अलग-अलग सेगमेंट में कीमतों के अंतर का फायदा उठाना। इससे फंड को अपेक्षाकृत कम जोखिम के साथ रिटर्न कमाने का मौका मिलता है। चूंकि ये फंड्स इक्विटी कैटेगरी में आते हैं, इसलिए टैक्सेशन के लिहाज से भी निवेशकों को फायदा मिल सकता है। प्योर इक्विटी फंड्स की तुलना में इनका उतार-चढ़ाव कम होता है। यही कारण है कि जो सीनियर सिटीजंस पूरी तरह इक्विटी में निवेश नहीं करना चाहते, लेकिन एफडी से थोड़ा ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए यह एक संतुलित विकल्प हो सकता है।

एसडब्ल्यूपी : पेंशन जैसा नियमित कैश फ्लो

सिर्फ निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे नियमित आय निकालने की व्यवस्था भी जरूरी है। यहां सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। एसडब्ल्यूपी के तहत निवेशक एकमुश्त राशि किसी हाइब्रिड या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में लगाते हैं और फिर हर महीने एक निश्चित रकम निकालते रहते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी वरिष्ठ नागरिक ने 20 लाख रुपये निवेश किए हैं और वे हर महीने 15,000 रुपये निकालना चाहते हैं, तो एसडब्ल्यूपी के जरिए यह संभव है। शेष राशि बाजार में निवेशित रहती है और संभावित रूप से बढ़ती भी रहती है। इस तरह निवेशक को पेंशन जैसी नियमित आय मिलती है और पूंजी भी धीरे-धीरे खत्म होने के बजाय काम करती रहती है। एसडब्ल्यूपी का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यह वित्तीय अनुशासन बनाए रखता है। निवेशक जरूरत से ज्यादा रकम नहीं निकालते और लंबी अवधि तक फंड बना रहता है।

खबर संक्षेप

जीवीएम स्कूल में वार्षिक पारितोषिक समारोह आज

उचाना। एक मार्च को गीता विद्या मंदिर स्कूल उचाना मंडी में वार्षिक पारितोषिक समारोह का आयोजन होगा। प्रबंधन कमेटी प्रधान सुरेंद्र जैन प्राचार्य सविता सिंगला ने बताया कि घनश्याम गर्ग एमडी एक्वा फार्म होंगे। गेस्ट ऑफ ऑनर डा. रमेश पांचाल सिविल सर्जन स्कूल हेल्थ विभाग होंगे। 2021-22, 2022-23 में हरियाणा शिक्षा बोर्ड में नंबर वन रैंक, 2023-24 में सभी विद्यार्थियों की मेरिट, 2024-25 में हरियाणा शिक्षा बोर्ड में नंबर दो रैंक पर स्कूल रहा।

डीएवी पब्लिक स्कूल में आज किया जाएगा यज्ञ

जींद। नो नशा नेशन अभियान के तहत डीएवी पब्लिक स्कूल के द्वारा 101 कुंडली यज्ञ का आयोजन एक मार्च 2026 को ग्रीन वैली सोसाइटी में होगा। यह जानकारी डीएवी स्कूल के प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी द्वारा दी गई । उन्होंने कहा जींद के प्रत्येक कोने में यज्ञ के द्वारा पर्यावरण शुद्धि का अभियान चलाया जा रहा है।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध

जींद। उपायुक्त एवं जिलाधीश मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि जिला प्रशासन जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा सभी नागरिकों को लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप शांतिपूर्ण ढंग से अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उपायुक्त ने बताया कि गत 25 को जींद में प्रस्तावित वकीलों की बैठक के संबंध में जिला बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं द्वारा जिला प्रशासन को लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

जोतराम मंदिर में विशाल जागरण-भंडारा छह को

उचाना। उचाना के लितानी रोड स्थित अंडरपास के पास बाबा जोतराम मंदिर में 13वां विशाल जागरण एवं भंडारे का आयोजन छह मार्च को होगा। भगत विनोद पांचाल, सुरेश नैन के साथ श्रद्धालुओं ने विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री को जागरण का निमंत्रण दिया।

निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाया

नरवाना। जयराम नेत्र सामान्य अस्पताल में शनिवार को निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाया गया। कैंप में शांति देवी आई इंस्टिट्यूट एंड एडवांस्ड एंडोस्कोपी सेंटर द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। कैंप में कैंसर एवं पेट लीवर रोगों की विशेष जांच सुविधा उपलब्ध कराई गई। कैंप में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विशेषज्ञ डा विशाल, डा. आकाश ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में आए मरीजों को लीवर व पित्ताशय की समस्याओं पाचन तंत्र के रोगों एंडोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

पांच दिवसीय निःशुल्क वर्कशॉप संपन्न

जींद। महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन द्वारा 23 से 28 फरवरी तक एआई डिजिटल लिटरेसी एवं साइबर सिक्योरिटी विषयों पर पांच दिवसीय निशुल्क वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में राजकीय महिला कॉलेज जींद की छात्राओं ने बढ़.चढ़कर भाग लिया और डिजिटल तकनीकों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

कूड़ा-कर्कट डाल रहे कर्मियों को ग्रामीणों ने रोका

उचाना। उचाना कलां के खेड़ी मंसानिया रोड पर वाल्मीकि मोहल्ले के पास नगर पालिका के ट्रैक्टर ट्राली कूड़ा कर्कट डालने पहुंचे तो ग्रामीणों ने इनको रोकने के साथ कड़ा विरोध करते कहा कि अगर भविष्य में दोबारा से फिर यहां कूड़ा, कर्कट डाला गया तो ग्रामीण बड़ा प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे।

एनआईआईएलएम विवि की बॉक्सिंग टीम का चयन

कैथल। अंतर विश्वविद्यालयीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता हेतु एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय में पुरुष के अंतिम बॉक्सिंग ट्रायल सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। चयन उपरांत पुरुष टीम का प्रशिक्षण शिविर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसके बाद टीम को आगामी प्रतियोगिता हेतु प्रेषित किया जाएगा।

गोहाना रोड पर लगा लंबा जाम, वाहन चालक परेशान

राजकीय महाविद्यालय के सामने छात्रों ने खेली होली

होलिका दहन दो को व चार को मनाया जाएगा होली का त्योहार : शास्त्री

होली पर्व को लेकर सज गए बाजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शिक्षण संस्थानों की रविवार से छुट्टियां होने के चलते छात्रों ने शनिवार को अपने सहपाठियों के साथ होली खेली। गोहाना रोड पर राजकीय महाविद्यालय के सामने छात्र व छात्राएं एक-दूसरे को रंग लगाते हुए नजर आए। छात्रों ने अपने दोस्तों को होली की बधाई दी और होली खेल कर अपने घरों को वापस लौट गए। इस दौरान छात्रों ने जमकर होहल्ला किया। जिसके चलते शहर का सबसे व्यस्तम मार्ग जींद-गोहाना मार्ग बाधित हो गया। लगभग बीस मिनट तक यहां जाम की स्थिति बनी रही और आमजन तथा वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर तक छात्र व छात्राएं होली के रंग में रंगे नजर आए। होली खेलने के बाद छात्र अपने घरों को वापस लौट गए। वहीं रंगों का पर्व होली पर्व चार मार्च बुधवार को मनाया जाएगा जबकि होलिका दहन तीन मार्च मंगलवार को किया जाएगा। होली पर्व को लेकर बाजार पूरी तरह से रंगों और पिचकारियों से सजे हुए हैं। बाजारों में भी दुकानों पर गुलाल और पिचकारी के साथ अन्य सामानों की खरीदारी के लिए भीड़ लगने लगी है। जिसके चलते व्यापारी उम्मीद कर रहे हैं कि होली पर अच्छा कारोबार होगा।

जींद। राजकीय महाविद्यालय गेट के सामने होली खेलते छात्र।

होली के साथ ही चंद्रग्रहण भी लगेगा

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि पंचांग के अनुसार इस बार होली के साथ ही चंद्रग्रहण भी लगने जा रहा है। जो भारत में भी दिखाई देगा। इसलिए संपूर्ण भारत में ग्रहण का सूतककाल भी लागू रहेगा। चंद्रग्रहण तीन मार्च को दोपहर में तीन बजकर 20 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा। जिसका समापन शाम छह बजकर 47 मिनट पर होगा। इस बार का चंद्रग्रहण तीन घंटे 27 मिनट तक दिखेगा। ऐसे में होली चार मार्च को मनाई जाएगी। वहीं होलिका दहन दो मार्च को होगा। भद्रा समाप्त होने के पश्चात रात्रि 12:50 बजे से 2:02 बजे तक का समय होलिका दहन के लिए विशेष रूप से शुभ रहेगा। इस मुहूर्त में विधि विधान से पूजन और दहन करने से शुभ फल की प्राप्ति होगी। होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। कहा जाता है कि इससे समृद्धि और खुशियां आती हैं और सभी नकारात्मकता और बीमारियां नष्ट हो जाती हैं।

किठाना कॉलेज ऑफ एजुकेशन में होली कार्यक्रम के दौरान रंग लगाते विद्यार्थी एवं स्टाफ सदस्य।

हर्षोल्लास के साथ मनाया होली का पावन पर्व

राजौंद। किठाना कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को होली का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे परिसर में उत्सव का माहौल रहा। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ सदस्यों को गुलाल लगाकर तथा मुंह मीठा करवाकर की गई। विद्यार्थियों ने सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कॉलेज चेयरमैन रामपाल ढांडा एवं डायरेक्टर विकास ढांडा ने भी विद्यार्थियों के साथ खुशियां साझा कीं। चेयरमैन रामपाल ढांडा ने अपने संबोधन में कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आपसी मनमुटाव भुलाकर प्रेम, सद्भाव और एकता के रंग में रंगने का पर्व है। डायरेक्टर विकास ढांडा ने युवाओं को सुरक्षित, संयमित और सौहार्दपूर्ण तरीके से होली मनाने का संदेश दिया। प्राचार्य सहित सभी प्राध्यापकों ने होली के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों से विद्यार्थियों में सहयोग, सौहार्द और सांस्कृतिक मूल्यों की भावना सुदृढ़ होती है। कार्यक्रम के अंत में सभी स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर तथा मिठाई खिलाकर होली पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के प्राध्यापक डॉ. सुमन ढांडा, डॉ. सुमन मलिक, सतीश कुमार, कृष्ण कुमार, सतविंद्र, अजय, नीरज, नितिन सहित समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

पूंडरी। छात्राओं के साथ कॉलेज स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

पोस्टर मेकिंग में दीक्षा प्रथम, सलोनी द्वितीय

पूंडरी। चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय फतेहपुर-पूंडरी के कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में 'टैकफेस्ट 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शकुंतला सिंगला एवं समस्त प्राध्यापकगण ने किया। प्राचार्या डॉ. शकुंतला सिंगला ने आधुनिक युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तकनीक ने हमारे दैनिक जीवन में व्यापक परिवर्तन किए हैं। उन्होंने छात्राओं को नवाचार, अनुसंधान और आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान पोस्टर मेकिंग, टेक रंगोली, पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, साइंस मॉडल, प्रोग्रामिंग एवं कोडिंग स्किल्स तथा मनोरंजक खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन में काजल (बीएससी द्वितीय वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साइंस मॉडल प्रतियोगिता में कोमल एवं लक्षिता प्रथम, नंदिनी, मीनाक्षी एवं स्नेहा द्वितीय तथा कंचन, वर्णिका एवं प्राची तृतीय स्थान पर रहीं। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में स्नेहा प्रथम तथा मुस्कान एवं अंजलि द्वितीय स्थान पर रहीं। पोस्टर मेकिंग में दीक्षा प्रथम, सलोनी द्वितीय एवं तमन्ना व तनु तृतीय स्थान पर रहीं।

पूर्व सैनिकों ने आदित्य को किया सम्मानित

कैथल। 26 फरवरी की शाम को बॉलीवुड के बादशाह आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया की हिंदी पंजाबी हरियाणवी गानों के गायक, संगीतकार,लेखक व निर्देशक है वो पूर्व सैनिक कर्मवीर फौजी के निवास स्थान पर शाम 6:30 बजे पहुंचे। उन्होंने फौजी कर्मवीर की पुत्री सिमरन जागलान के साथ में हरियाणवी गीत गाया (जिसके बोल महारे मन्डेरे पर बोली रे टटहीरी) को गांव पट्टी अफगान कैथल में फौजी कर्मवीर हरियाणवी गायक कलाकार के निवास स्थान पर लॉन्च किया। यहां पर फौजी साथी के परिवार के साथ मिलकर पूर्व सैनिकों ने भी बादशाह, सिराज़ी व मंजू हिमाचली गायक कलाकार को स्मृति चिन्ह भेंट व गांव वासियों ने पगड़ी पहना कर व स्मृति चिन्ह के साथ सम्मानित किया। साथ ही बादशाह ने भी पूर्व सैनिक वेलफेयर एसो की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली।

जींद। प्रतियोगिता में दमखम दिखाते खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

एसडी कॉलेज नरवाना ने जीती हैंडबाल प्रतियोगिता

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में इंटर कॉलेज महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 28 फरवरी को विश्वविद्यालय खेल परिषद द्वारा किया गया। हिंदू कन्या महाविद्यालय एसडी कॉलेज नरवाना के मध्य है फाइनल मैच खेला गया। जिसमें एसडी कॉलेज नरवाना ने हिंदू कन्या महाविद्यालय को 20-18 के अंतर से हराया। विजेता खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय खेल परिषद के अध्यक्ष डा. सत्यवान मलिक ने मेडल पहनसकर के सम्मानित किया और खेल को खेल की भावना से खेलनेए खेल और आजीविका के अवसर के साथ जोड़ कर देखने के संबंध में खिलाड़ियों को प्रेरित किया। इस अवर पर डा. नरेश देशवाल खेल निदेशक ने बताया कि विश्वविद्यालय खेल परिषद खिलाड़ियों के लिए विभिन्न सत्रों पर अवसर प्रदान करती है कि विश्वविद्यालय के खिलाड़ी अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता, राष्ट्रीय प्रतियोगिता, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम में अपने प्रतिभागिता कर सकें। गत समय में खेल के क्षेत्र में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद ने नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रतियोगिता के बाद विश्वविद्यालय हैंडबॉल महिला टीम का चयन किया गया। जिसमें 24 खिलाड़ी दल ट्रेनिंग कैंप के लिए रखे गए।

सलासर धाम व खाटू श्याम धाम में निमंत्रण देने पहुंचे प्रवीण गर्ग व अन्य।

श्री श्याम महोत्सव कार्यक्रम सात को

पूंडरी। श्री श्याम परिवार ट्रस्ट द्वारा श्री खाटू श्याम फाल्गुन विशाल महोत्सव को लेकर पूंडरी में धार्मिक वातावरण बना हुआ है। अवसर पर प्रथम निमंत्रण सलासर धाम एवं खाटू श्याम बाबा धाम में दिया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने बाबा का विशेष आशीर्वाद बताया। कार्यक्रम के तहत 6 मार्च शुक्रवार को श्री श्याम ध्वजा यात्रा निकाली जाएगी, जबकि 7 मार्च को पुरानी अनाज मंडी, पूंडरी में विशाल भजन-कीर्तन एवं जागरण का आयोजन किया जाएगा। समिति के प्रधान प्रवीण गर्ग ने देते बताया कि 6 मार्च को सांय 3:15 बजे श्री श्रृंगार मंदिर एवं श्री खाटू श्याम मंदिर, फतेहपुर से ध्वजा यात्रा प्रारंभ होकर मेन बाजार से होती हुई पुरानी अनाज मंडी पूंडरी (संकिर्तन स्थल) पर सम्पन्न होगी। वहीं 7 मार्च को सांय 6:15 बजे से प्रभु इच्छा तक भव्य भजन संध्या व कीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को बाबा के भजनों में सराबोर करेंगे। प्रधान प्रवीण गर्ग ने बताया कि इस भव्य आयोजन के लिए उनके साथ सतीश जांबा, शिव कुमार तथा रविंद्र गर्ग हाबड़ी निमंत्रण देने के लिए श्री खाटू श्याम पहुंचे।

दो दिवसीय रागनी प्रतियोगिता का शुभारंभ

पूंडरी। अनाज मंडी में क्षेत्रीय सभा के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय रागनी प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी बलवान शर्मा अहर ने रिबन काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षता सभा प्रधान अजमेर गोलन एवं सुरेश सैनी ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम में हरियाणवी लोक संस्कृति की शानदार झलक देखने को मिली। प्रसिद्ध कलाकार बीरपाल खरकिया एंड पार्टी, कृष्ण, ओमपाल खरकिया, महिला कलाकार रेणु श्योराण, रेखा लाम्बा, मनीषा मरजानी एवं आरती जांगड़ा ने अपनी मनमोहक एवं रंगारंग प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर दर्शक झूम उठे और देर रात तक कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ जुटी रही। विशेष रूप से रेणु श्योराण के चुटकुलों एवं ठुमकों ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया, जिससे पूरा पंडाल ठहाकों से गूंज उठा। वहीं बीरपाल खरकिया द्वारा प्रस्तुत रागनी "जीव-जंतु और पशु-पखेरू या नाचे दुनिया सारी, नाचन में के खोट बताया अक्ल की होशियारी" ने सामाजिक संदेश के साथ-साथ मनोरंजन का भरपूर रंग जमाया।

पूंडरी। रागनी कम्पीटीशन का शुभारंभ करते बलवान शर्मा।

कैथल। चीनी मिल के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार किसानों से बातचीत करते।

गन्ने की खेती करने का किया आह्वान

कैथल। चीनी मिल के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार ने पूंडरी के प्रगतिशील किसान कर्मबीर व कृष्ण कुमार के आवास पर बातचीत करते कहा कि जो किसान गन्ना फसल उगाना छोड़ चुके थे वे अब जोर-शोर से गन्ना फसल की बीजाई कर रहे हैं। ऑनलाइन टोकन लगने की वजह से भी गन्ना किसानों को काफी ज्यादा सुविधा हो गई है क्योंकि मिल में गन्ना डालने के लिए ज्यादा समय तक इन्तजार नहीं करना पड़ता है। आधुनिक दौर में गन्ना फसल किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद हो रही है। गन्ना फसल के बिना किसानों की खुशहाली सम्भव नहीं है। जो किसान पिछले कई सालों से गन्ने की खेती करते आ रहे हैं उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। सभी किसानों ने प्रबन्ध निदेशक को आश्वासन दिलवाया कि वे इस बार गन्ने की बुवाई को प्राथमिकता देगें क्योंकि इससे किसानों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। प्रबन्ध निदेशक ने किसानों को गन्ना फसल के अनेकों प्रकार के फायदे बताये व इसके अलावा किसानों की गन्ना फसल को बढ़ावा देने से हर प्रकार की सहायता करने का भी आश्वासन दिया।

श्रीराधा कृष्ण मंदिर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया

समाज-राष्ट्र के समग्र उत्थान के लिए सिर्फ विचार नहीं, व्यवहार में परिवर्तन आवश्यक : जितेंद्र चहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शहर के संत नगर स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर वार्ड नंबर आठ के पार्षद गुलशन पुरुथी ने तथा मुख्य वक्ता के तौर पर ग्राम विकास गतिविधि के विभाग संयोजक जितेंद्र चहल ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुलशन ने की। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों तथा धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने सामाजिक सद्भाव व पंच परिवर्तन पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य वक्ता जितेंद्र चहल ने पंच परिवर्तन विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र के समग्र उत्थान के लिए केवल विचार नहीं बल्कि व्यवहार में परिवर्तन आवश्यक है। अपने उद्बोधन में उन्होंने बताया कि पंच परिवर्तन का अर्थ है जीवन के पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाना, जिससे परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त बन सके। उन्होंने कहा कि समाज में जाति, वर्ग और क्षेत्र के भेदभाव को समाप्त कर समरसता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। सभी हिंदुओं को एकजुट होकर सामाजिक एकता का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। जितेंद्र चहल ने परिवार को समाज की मूल इकाई बताते हुए कहा कि संस्कारों की शुरुआत घर से होती है। माता-पिता को बच्चों में नैतिकताए अनुशासन और भारतीय संस्कृति के मूल्यों का संचार करना चाहिए।

जींद। दीप प्रज्वलित करते मुख्यातिथि मुख्य वक्ता तथा अन्य गणमान्य लोग।

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाएं

स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग व स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में छोटे व्यापारियों और कारीगरों का सहयोग करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कहा कि राष्ट्र निर्माण में हर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। कानून का पालन सामाजिक सेवा और मतदान जैसे कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है। जितेंद्र ने जनसमूह से आह्वान किया कि वे पंच परिवर्तन के इन सिद्धांतों को दैनिक जीवन में अपनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करें।

खबर संक्षेप

चार पुलिस कर्मियों को दी सम्मान के साथ विदाई

जींद। पुलिस विभाग से चार पुलिस कर्मचारी शनिवार को सेवानिवृत हो गए। इनको डीएसपी संजय कुमार ने विदाई समारोह के दौरान पगड़ी, स्मृति चिह्न व व अन्य उपहार देकर सम्मान के साथ अपने आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। निरीक्षक महेंद्र सिंह लाइन अफसर जींद, प्रवक्ता राजेश कुमार, धर्मपाल श्योराण, राजेंद्र सिंह, सेवानिवृत पुलिस कर्मचारी प्रेम सिंह बांगड़, महावीर सिंह के अलावा पुलिस विभाग के अन्य कर्मचारी, सेवानिवृत जाने वाले कर्मचारी व उनके परिवार के सदस्य मौजूद रहे। डीएसपी संजय कुमार ने कहा कि अपने जीवन का अमूल्य समय पुलिस विभाग तथा जनता की सेवा में लगाने पर सकुशल सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी खुद को हर जिम्मेदारी से रिटायर नहीं समझ कर समाज सेवा के कार्यों में लिप्त रखें।

संसाधनों पर बढ़ते दबाव को कम करने को किया सचेत

जींद। हिंदू कन्या कालेज के भूगोल विभाग द्वारा हैबतपुर गांव में संसाधन सीमाबद्धता पर डोर टू डोर जागरूकता अभियान चलाया गया। मानवीय उपभोग और बाजारीकरण के कारण प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि पृथ्वी पर संसाधन अनंत नहीं है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इनके सतत उपयोग की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद में 2025 में स्काई रूट ऐरोस्पेस के नए मुख्यालय इंफिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया जो संसाधनों को सुरक्षित रखने और पारिस्थिति की तंत्र को मजबूत करने की ओर एक सराहनीय कदम है। भूगोल की छात्राओं ने इस प्रयास को आगे बढ़ाते हैबतपुर ग्रामवासियों को संसाधनों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए सचेत किया। छात्राओं ने यह भी बताया कि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने और संसाधनों को पूर्ण उपयोग करने की आवश्यकता है।

जितेंद्र के निधन पर कैबिनेट मंत्री ने जताया शोक

नरवाना। उपमंडल के गांव दनौदा खुर्द के सरपंच प्रतिनिधि लगभग 45 वर्षीय जितेन्द्र नैन का ब्रेन हेमरेज के कारण आकस्मिक निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से न केवल परिवार बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र में गहरा दुख व्याप्त है। गौरतलब है कि स्वर्गीय जितेंद्र नैन पीछे पत्नी व गांव की सरपंच सुदेश तथा तीन मासूम सुपुत्री छोड़ गए हैं। सामाजिक और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने वाले जितेन्द्र नैन के अचानक चले जाने से गांव ने समर्पित समाजसेवी को खो दिया है। यह दुःखद समाचार हरियाणा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी को मिला तो अपने सभी तय कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिए और सीधे दनौदा खुर्द पहुंचे। अंतिम संस्कार में भाग लिया व शोकाकुल परिजनों से मिलकर गहरी संवेदनाए प्रकट की।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में अभिमन्यु अव्वल रहे

जींद। राजकीय कालेज के प्राचार्य के मार्गदर्शन में प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, पर्यावरण जागरूकता एवं तार्किक अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के तहत जीएमओ लाभकारी अधिक हैं या हानिकारक, पर्यावरणीय स्थिरता के लिए प्लास्टिक प्रतिबंध आवश्यक है, जैव विविधता की हानि जलवायु परिवर्तन से भी बड़ा खतरा है आदि विषयों को दिया गया। महाविद्यालय के इच्छुक विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडल में भूमिका पुष्पा जांगड़ा, डा. सविता ने निभाई। प्रथम स्थान अभिमन्यु, द्वितीय स्थान बिंदु व तृतीय स्थान कुणाल ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्राचार्य ने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस बौद्धिक गतिविधि को सफल बनाने का आह्वान किया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

जींद। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की पहल मेरा युवा भारत के तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विज्ञान आधारित प्रदर्शनियां एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनका उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक सोच और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीष जय हिंद द्वारा की गई। मुख्यअतिथि के रूप में राजबाला कौशिक उपस्थित रही। संबोधन में कहा कि समाज के समग्र विकास के लिए विज्ञान को सही ढंग से समझना और अपनाना आवश्यक है। महान वैज्ञानिक सीवी रमन के योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्यों विशेष है और इसे क्यों मनाया जाता है। उन्होंने युवाओं से वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया ताकि देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सके।

होली पर बरसेगा गुरु सुदर्शन का आशीर्वाद : मुनि

उचाना। संघ संचालक गुरुदेव नरेश चंद्र महाराज के आज्ञानुवर्ती प्रवचन प्रभावक मुकेश मुनि महाराज ठाणे 3 श्री एसएस जैन सभा स्थानक उचाना मंडी में विराजमान है। मुकेश मुनि ने होली के पर्व पर उचाना में गुरू सुदर्शन का आशीर्वाद बरसेगा। शांति की राह पर कैसे जाए के बारे में प्रवचन में श्रद्धालुओं को बताया। डिक्शनरी हजारों शब्द होते है उन शब्दों के पीछे मानव समाज में मतभेद हो सकते है लेकिन एक शब्द ऐसा है जिसके संबंध में किसी के दो मत नहीं हो सकते। वह शब्द है शांति। गुलाब की सुवास मेंए शंकर की मिठास में और नमक की खरास में किसी को मतभेद नहीं है। एक वृद्ध से पूछेंगे तो गुलाब से सुवास उसे भी प्रिय लगेगीए युवक एवं बालक भी ये ही बताएंगे। ये ही बात शक्कर और नमक की है। सभी शक्कर को मीठी और नमक को खारा बताएंगे। यदि किसी ने कह दिया नमक मीठा है शक्कर खारी है तो हर कोई कह उठेगा कि उसके दिमाग का स्क्रू ढीला है।

जागरूकता के लिए खाप चलाएगी अभियान

उचाना। सर्व जातीय दाड़न खाप चबूतरा पालवां पर खाप की मीटिंग हुई। मीटिंग की अध्यक्षता प्रधान रणधीर श्योकंद सुंदरपुरा ने की। विभिन्न मुद्दों पर वक्ताओं ने अपनी-अपनी राय रखी। खाप के गांवों में स्वच्छता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओए पौधरोपणए जल बचाओ सहित अन्य सामाजिक मुद्दों पर अभियान चला कर जागरूक किया जा रहा है। भविष्य में मीटिंग बुलाई जाएगी। जिसमें कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। नवनियुक्त प्रधान रणधीर श्योकंद सुंदरपुरा ने कहा कि जो जिम्मेदारी प्रधान बना कर सौंपी है, उसको लेकर वो खाप के लोगों के आभारी है। निरंतर समाज हित में कार्य किए जाएंगे। खापों की गरिमा सदियों से चली आ रही है जो आज भी बरकरार है। समाज के ताने.बाने को बनाए रखने में खापों की अहम भूमिका रहती है। सूरजभान घसो, राजा डूमरखां, महावीर मंगलपुर, रमेश नंबरदार, दलबीर खेड़ी मंसानिया, रामफल काकड़ोद, सुंदरपाल, रामधन घसो आदि मौजूद रहे।

चामुंडा माता की पालकी का श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के आग्रह पर शहर के रानी तालाब स्थित राम मंदिर से चामुंडा माता की पावन पालकी भव्य शोभायात्रा के रूप में प्रस्थान कर मिड्ढा निवास पहुंची। इस दौरान पूरा मार्ग माता के जयकारों, भजनों और श्रद्धालुओं की आस्था से गुंजायमान हो उठा। विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने माता की पालकी का विधिवत स्वागत किया। उन्होंने माता के चरणों में शीश नवा कर प्रदेश और क्षेत्र के सुख व समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर जगतगुरु पीठाधीश चक्रवर्ती यज्ञ सम्राट श्रीश्री 1008 हरिओम महाराज, राजन चिल्लाना, रुद्राक्ष मिड्ढा, कर्ण प्रताप सिंह, नगर पार्षद के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु, गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मां चामुंडा की यह पावन पालकी हिमाचल प्रदेश से पहली बार प्रस्थान कर जींद पहुंची है, जो क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत सौभाग्य और गर्व का विषय है।

बलिंद्र महाराजा दक्ष प्रजापति समिति के प्रधान बने

जुलाना। जुलाना कस्बे की लेबर शेड में कुम्हार समाज की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रधान शमशेर ने की। बैठक में समाज के विभिन्न गांवों और वार्डों से आए गणमान्य लोगों ने भाग लिया और समाज की एकजुटता व विकास के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान समाज को संगठित और मजबूत बनाने के उद्देश्य से सर्वसम्मति से महाराजा दक्ष प्रजापति समिति का गठन किया गया। सदस्यों ने एकमत होकर बलिंद्र पड़ाना को समिति का प्रधान नियुक्त किया। इसके साथ ही कर्मवीर को उपप्रधान, राजबीर को सचिव और विजेंद्र को सहसचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। समिति के सलाहकार मंडल में सत्यवानए आजाद, राजेंद्र प्रसाद, जगदीश और राममेहर को शामिल किया गया। वहीं महाबीर, सुभाष चंद्र और सोनू को सदस्य बनाया गया। नवनियुक्त सदस्यों ने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करना, सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करना तथा आपसी भाईचारे को मजबूत करना रहेगा।

उचाना में विकास तेजः संजय

उचाना। कसूहन मंडल अध्यक्ष संजय चहल बड़ौदा एवं महामंत्री रोहताश खटकड़ ने संयुक्त रूप से कहा कि उचाना में विकास की रफ्तार विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की अगुवाई में निरंतर तेज हो रही है। उचाना में हुई विकास रैली में उमड़े जनसैलाब ने विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की बढ़ी लोकप्रियता को साबित करने का काम किया है।

सूचना

मैं, हुकम सिंह पुत्र फतेह सिंह निवासी ग्राम जाजनपुर उप तहसील ढांड जिला कैथल (हरियाणा) बयान करता हूं कि कि मेरा बेटा विनोद सहारण और उसकी पत्नी अमनप्रीत कौर मेरे और मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर हैं। मैं उनको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। मैं और मेरी पत्नी भविष्य में उनके किसी भी कार्य और लेनदेन के लिए किसी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होंगे।

नागरिक अस्पताल में वैक्सीन लगाने के बाद किशोरियों को प्रमाण-पत्र भी दिए

जींद में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए लगाई गई वैक्सीन

स्वास्थ्य विभाग ने किशोरावस्था में ही सुरक्षा कवच देने की रणनीति बनाई : डा. पूनिया

- आने वाली पीढ़ी को गंभीर और जानलेवा बीमारी से सुरक्षित करने की दिशा में व्यापक अभियान चलाया

जींद। किशोरियों को वैक्सीन लगाते हुए स्वास्थ्यकर्मी तथा वैक्सीन के बाद प्रमाण पत्र देते हुए पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में शनिवार को 14 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए मुफ्त एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमओ डा. सुमन कोहली ने की जबकि टीकाकरण कार्यक्रम में पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया, डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे। वैक्सीन लगाने के बाद किशोरियों को प्रमाण पत्र भी दिए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीएमओ डा. सुमन कोहली ने अपने संदेश में कहा कि स्वास्थ्य विभाग की यह पहल केवल एक टीकाकरण कार्यक्रम नही बल्कि आने वाली पीढ़ी को एक गंभीर और जानलेवा बीमारी से सुरक्षित करने की दिशा में व्यापक अभियान है।

हर वर्ष सर्वाइकल कैंसर के मरीज सामने आते हैं। अगर समय रहते टीकाकरण करवाया जाए तो इस बीमारी से बचा जा सकता है। इसी सोच के साथ सरकार व स्वास्थ्य विभाग ने किशोरावस्था में ही सुरक्षा कवच देने की रणनीति बनाई है। क्योंकि इस उम्र में लगाया गया टीका सबसे ज्यादा असरदार माना जाता है।

एचपीवी वायरस माना जाता है महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण : पूनिया

पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया ने कहा कि एचपीवी वायरस महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता है। यह महिलाओं में होने वाले कैंसरों में प्रमुख स्थान रखता है। समय पर टीकाकरण से इस गंभीर बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। 30 वर्ष की उम्र के बाद इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। यह अभियान बेटियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण कार्यक्रम का उद्देश्य है सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से रोका जाए। यह टीकाकरण पूरी तरह स्वैच्छिक होगा और 14 साल की आयु की लड़कियों को गवर्नमेंट हेल्थ सेंटर पर मुफ्त लगाया जाएगा। खास बात यह है कि हर वैक्सीनेशन सेंटर ट्रेंड मेडिकल अधिकारियों की निगरानी में होगा और टीका लगने के बाद जरूरी ऑब्जर्वेशन होगा।

विभाग ने पात्र लाभार्थियों की पहचान कर वैक्सीनेशन शुरू की

डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि जींद जिले में स्वास्थ्य विभाग ने पात्र लाभार्थियों की पहचान कर ली है और वैक्सीनेशन शुरू की गई है। फिलहाल विभाग को एक हजार डोज उपलब्ध हुई हैं। प्रथम दिन 50 से अधिक डोज लगाई गई हैं। हमारी किशोरियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए यह टीका वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, प्रभावी एवं सुरक्षित है। मुख्य रूप से 14 वर्ष की लड़कियां (जिन्होंने अभी 15 वर्ष पूरे नहीं किए) हों के लिए वैक्सीनेशन स्वैच्छिक है और पूरी तरह मुफ्त है। डा. भोला ने अभिभावकों से अपील है कि अपनी बेटियों को इस जीवन रक्षक वैक्सीन से जरूर लाभान्वित करें। इसके बारे में अधिक जानकारी के लिए नागरिक अस्पताल जींद में संपर्क कर सकते हैं।

सीवन। गोशाला में पत्रकारों से बात करते गोशाला के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

गोवंश के लिए चारे की चुनौती समाज से सहयोग की अपील

- सीवन गोशाला में गोवंश की संख्या बढ़कर करीब 1500 हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

सीवन गोशाला सेवा समिति द्वारा संचालित गौशाला में इन दिनों बढ़ती संख्या के चलते गोवंश के लिए सूखे चारे (तुड़ी) की बड़ी चुनौती सामने आ गई है। समिति के कोषाध्यक्ष एवं अधिवक्ता प्रशांत आनंद ने जानकारी देते हुए बताया कि गौशाला में गौवंश की संख्या बढ़कर लगभग 1400 से 1500 के बीच पहुंच गई है। ऐसे में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में चारे, पानी, दवाइयों और देखभाल की व्यवस्था करना एक गंभीर दायित्व बन गया है। गौशाला कार्यालय में आयोजित एक बैठक के दौरान प्रशांत आनंद ने क्षेत्र के दानदाताओं, श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों से समय रहते सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय गेहूं कटाई से पूर्व का है और कटाई के बाद तुड़ी की उपलब्धता बढ़ जाती है। यदि अभी से भंडारण की ठोस योजना बनाकर पर्याप्त मात्रा में सूखा चारा एकत्र कर लिया जाए तो वर्षभर गौवंश के भोजन की व्यवस्था सुचारू रूप से चलाई जा सकती है।

गोशाला आस्था और जिम्मेदारी का केंद्र

समिति के प्रधान नरेंद्र सैनी ने कहा कि गौशाला केवल एक सेवा स्थल नहीं, बल्कि समाज की आस्था और जिम्मेदारी का केंद्र है। यहां प्रतिदिन सैकड़ों गायों के भोजन, उपचार, टीकाकरण और स्वच्छता का ध्यान रखा जाता है। उन्होंने बताया कि बढ़ती संख्या के साथ खर्च और व्यवस्थाओं का दायरा भी लगातार बढ़ रहा है। चारे की बढ़ती कीमतें और परिवहन खर्च भी चुनौती बन रहे हैं। प्रशांत आनंद ने कहा कि गौसेवा का यह कार्य केवल समिति के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें पूरे समाज की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोग पहले भी समय-समय पर तुड़ी, हरा चारा और आर्थिक सहयोग देकर गौशाला का सहारा बनते रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर चंद्रभान सैनी, जोगी सैनी, पाला मिस्त्री, ईश्वर, पाली सैनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

डीसी ने किया वरिष्ठ साहित्यकार एवं संगीतकार श्याम सुंदर गौड की दो पुस्तकों का विमोचन

कैथल। कैथल के वरिष्ठ साहित्यकार एवं संगीतकार श्यामसुंदर गौड ने कैथल की उपायुक्त अपराजिता से औपचारिक भेंट की। इस दौरान उपायुक्त ने श्याम सुंदर गौड द्वारा रचित हरियाणे का इतिहास (पद्य) तथा बाल उड़ान नमक पुस्तक का विमोचन किया गया। इस दौरान उनके साथ कैथल के जिला सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी नसीब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। सैनी ने बताया कि हरियाणा का इतिहास पद्य में श्याम सुंदर ने बहुत ही विषयानुसार व सुरुचि पूर्ण ढंग से अपने अनुभव के आधार पर पूरे हरियाणा के सभी जिलों की विशेषताओं का वर्णन किया गया है। इसके साथ ही उसमें हरियाणा की सभ्यता और संस्कृति का भी विशेष उल्लेख किया गया है। वहीं दूसरी पुस्तक बाल उड़ान में धार्मिक स्थलों, महापुरुषों, अवतारों, संगीत, सूर्य चांद नक्षत्र पाठय सामग्री प्रस्तुत की गई है। बता दें कि करीब 85 वर्षीय श्यामसुंदर गौड़ अब तक करीब 24 पुस्तक लिखते हुए उनका प्रकाशन कर चुके हैं। इसके साथ ही उन्हें साहित्य सभा द्वारा साहित्य संगीत सम्मान पुरस्कार सहित जिला प्रशासन व विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं से सम्मान मिल चुका है।

ज्ञान की उड़ानः आदर्श स्कूल जाखौली में विज्ञान प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन

राजौंद। जाखौली गांव के आदर्श स्कूल में आयोजित विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सचमुच 'ज्ञान की उड़ान' का प्रेरणादायक उदाहरण बन गई। यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और आत्मविश्वास का सजीव प्रदर्शन था। जब नन्हे छात्र-छात्राएँ मंच पर खड़े होकर विज्ञान से जुड़े कठिन प्रश्नों के उत्तर दे रहे थे, तब पूरे विद्यालय परिसर में गर्व और उत्साह का वातावरण छा गया। प्रतियोगिता में भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं सामान्य विज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने पूरी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ उत्तर देकर यह सिद्ध कर दिया कि जाखौली गांव की धरती पर प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। कई अवसर ऐसे आए जब सही उत्तर सुनकर तालियों की गूंज से वातावरण गूंज उठा और भावनाएं उमड़ पड़ीं। निर्णायक मंडल में मोनिका मैडम, ज्योति मैडम, रसायन विज्ञान के व्याख्याता कुलदीप सर तथा भौतिक विज्ञान के व्याख्याता विशाल सर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राजौंद से सिसला धाम तक पैदल निशान यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

राजौंद। राजौंद से सिसला धाम के लिए श्रद्धालुओं की पैदल शिव निशान यात्रा बड़े श्रद्धाभाव और उत्साह के साथ निकाली गई। श्रद्धालुओं ने निशाना यात्रा आरंभ करने से पूर्व दादा खेड़ा, खाटू श्याम मंदिर, शिव मंदिर में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया और नारियल फोड़कर यात्रा का शुभारंभ किया। सुबह की ठंडी हवाओं और भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालु "जय श्री श्याम" और "हर हर महादेव" के जयकारों के साथ सिसला धाम की ओर रवाना हुए। रास्ते भर भक्तजन, महिलाएं भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ते रहे, जिससे वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक बना रहा।भारी संख्या में युवाओं व महिला, पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सभी श्रद्धालुओं में अपार उत्साह देखने को मिला। सिसला धाम पहुंचकर सभी ने विधिवत पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

कॉलेज में विकसित भारत युवा संसद स्पर्धा करवाई

- डॉ. भीमराव आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डॉ भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल में विकसित भारत युवा संसद 2026 का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कैथल जिले के सभी महाविद्यालय और विश्वविद्यालय से प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अभिषेक गोयल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम के साथ किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की मुख्यातिथि नगर परिषद् की चेयरमैन सुरभि गर्ग ने कहा कि युवा राष्ट्र की ऊर्जा हैं। शिक्षा, नवाचार, लोकतांत्रिक सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी के माध्यम से युवा विकसित भारत के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

कार्यक्रम के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. सुभाष शर्मा, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय भेरियां ने बोलते हुए कहा कि 25 जून 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा की गयी थी। उस दौरान विभिन्न जिलों और क्षेत्रों में लोगों को कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस संगठन को मजबूत एवं एकरूपता देने की जरूरत : पूर्व सांसद बीरेंद्र सिंह

- 6 मार्च को पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह यात्रा करेगी कैथल में प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही सद्भाव यात्रा 6 तथा 7 मार्च को हल्का कैथल में तथा 8 व 9 मार्च को हलका पूंडरी में पहुंचेगी। यात्रा की तैयारी और उसे सफल बनाने के लिए स्प्रिंग फील्ड रिसोर्ट, जीन्द बाई पास, कैथल में विधानसभा हल्का कैथल और पूंडरी के कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह थे तथा अध्यक्षता कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर ने की। बैठक में पूर्व विधायक जोगी राम, सुदीप सुरजेवाला, सुरेंद्र ढुल, सुशीला शर्मा, पीएल भारद्वाज, मप्पड थूआ, युधिष्ठिर तंवर, दिलबाग मोर ने विशेष रूप से भाग लिया। बैठक में यात्रा के रूट प्लान और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय की गई। इस यात्रा की सफलता के लिए समन्वयक कमेटी का गठन किया गया जिसमें सुरेंद्र ढुल को यात्रा का जिला संयोजक तथा सुदीप सुरजेवाला को कैथल विधानसभा की जिम्मेवारी सौपी गई। इसके अलावा दिलबाग ढुल पाई एवं एडवोकेट पुष्पेंद्र तंवार को पूंडरी हलका की जिम्मेवारी सौपी गई।

सिसला धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम

राजौंद। आमलकी एकादशी के पावन अवसर पर कुरुक्षेत्र 48 कोस की पवित्र परिधि में स्थित सिसला धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रातः काल से ही मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना और जयकारों की गूंज वातावरण को भक्तिमय बना रही थी। दूर-दराज के गांवों और शहरों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने श्रद्धालुओं को सिसला धाम का धार्मिक महत्व विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि इसी पावन स्थल पर वीर बर्बरीक जी ने अपना शीश दान किया था और वर्तमान में यहां बाबा श्याम विराजमान हैं। महाराज जी ने अपने प्रवचन में विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में सिसला धाम का नाम पूरे विश्व में प्रसिद्ध होगा। साथ ही उन्होंने धाम के जीर्णोद्धार कार्य की नींव रखी और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने आमलकी एकादशी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह व्रत मन, वचन और कर्म की शुद्धि का प्रतीक है।

अपने मित्र देश ईरान पर हमलों की निंदा करे भारत सरकार

- ईरान पर हमला अंतरराष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन : माकपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों की भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) कड़ी निंदा करती है। ये हमले ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सभी अंतरराष्ट्रीय संधियों का घोर उल्लंघन हैं। अमेरिका और इज़राइल ने ईरान के साथ चल रही वार्ताओं की अनदेखी करते हुए ये हमले किए। माकपा के हरियाणा राज्य सचिव कामरेड प्रेमचंद और कैथल जिला सचिव सतपाल आनन्द ने प्रैस को जारी विज्ञप्ति में कहा कि ईरान पर हमलों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों से स्पष्ट है कि उन्हें इन वार्ताओं पर कभी भरोसा नहीं था। अमेरिका एक आक्रामक दादागिरी करने वाले देश की तरह व्यवहार कर रहा है, जो अपनी मर्जी से संप्रभु देशों पर हमला कर रहा है। ईरान पर यह हमला वेनेजुएला पर उसके हालिया हमले और क्यूबा को दी गई धमकियों के बाद हुआ है। ईरान पर यह हमला भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इज़राइल यात्रा समाप्त होने के तुरंत बाद हुआ है।

एसडी महिला महाविद्यालय प्रांगण में होली मेले का आयोजन

नरवाना। एसडी महिला महाविद्यालय प्रांगण में होली मेले का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। महाविद्यालय प्रांगण में सभी प्रवक्ताओं व छात्राओं का उत्साह देखते ही बनता था। महाविद्यालय प्राचार्या डा. अंजना लोहान ने सभी स्टाफ सदस्यों व छात्राओं को रंगों व खुशियों के त्योहार होली व फाग की अग्रिम बधाई व शुभकामनाएं दी तथा उन्हें आपस में प्रेम सौहार्द तथा अंतरंगता बनाए रखने का संदेश दिया। होली सभी मतभेदों मनमुटावों तथा विभिन्नताओं को भूल कर सबको साथ लेकर चलने का त्यौहार है। होली मेले पर छात्राओं ने खाने-पीने के स्टाल भी लगाए। महाविद्यालय के वूमेन सेल की तरफ से आयोजित इस होली मेले का उद्देश्य छात्राओं को न केवल रंगों से सराबोर करना था बल्कि उनको अपनी कला व निपुणता का प्रदर्शन करने के लिए एक उचित मंच प्रदान करना भी था जिसके माध्यम से छात्राओं ने अपनी कला का अनूठा परिचय दिया। छात्राओं ने इस अवसर पर नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया तथा सभी को आपस में रंग गुलाल लगाकर होली मेले का भरपूर आनंद उठाया।

समस्या

स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ 2020 से नप को लिख रहा पत्र, 42वां रिमाइंडर भेजा

नागरिक अस्पताल में बंदरों का आतंक बरकरार

- अस्पताल में आने वाले लोग हर दिन बंदरों के आतंक का हो रहे शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल बंदरों के आतंक से मुक्त नही हो पा रहा है। स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ द्वारा वर्ष 2020 से लगातार नगर परिषद जींद, उपायुक्त को पत्र भेज कर बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की बात कही जा रही है लेकिन अस्पताल बंदरों के आतंक से मुक्त नही हो पा रहा है। जिस पर संघ द्वारा उपायुक्त के संज्ञान में भी मामला लाया गया है। एक बार फिर से स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ ने 42वां रिमाइंडर भेज समस्या से निजात दिलाने की गुहार लगाई है।

वर्ष 2020 से लगातार नगर परिषद को लिख रहे पत्र

स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ के प्रधान राममेहर वर्मा ने बताया कि संघ द्वारा वर्ष 2020 से लगातार नगर परिषद को पत्र लिखे जा रहे हैं कि अस्पताल में बंदरों का आतंक है और आए दिन बंदर किसी न किसी को काट रहे हैं। इसके अलावा कार्यालयों के अंदर पहुंच कर भी नुकसान पहुंचा रहे हैं लेकिन इस समस्या पर कोई संज्ञान नही लिया गया है। अस्पताल परिसर में बंदरों की संख्या इतनी है कि इन्हेंभगाना भी नामुमकिन है। झुंड के झुंड बंदरों के नागरिक अस्पताल में हर समय बैठे देखे जा सकते हैं। इसके अलावा अस्पताल में आने वाले मरीजों को भी बंदर काटने से चूकते नही हैं। जिसके कारण नागरिक अस्पताल में आने वाले मरीजों के साथ-साथ चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। आए दिन ये बंदर किसी न किसी व्यक्ति पर हमला करके उसको घायल कर रहे हैं। कई बार तो बंदर नागरिक अस्पताल में दाखिल मरीजों के बिस्तर पर पहुंच कर मरीज को घायल कर चुके हैं और अनेक बार कमरों में घुस कर कंपयूटर सहित नागरिक अस्पताल के रिकार्ड को नष्ट भी कर चुके हैं। इस समस्या के समाधान हेतू कई बार नगर परिषद के अधिकारियों को गुहार लगाई जा चुकी है। परंतु अभीतक कोई समाधान नही हुआ है। वर्मा ने बताया कि उपायुक्त ने इस मामले में स्व संज्ञान लेते हुए नप अधिकारियों को आदेश दें कि अस्पताल में स्पेशल तौर पर बंदर पकड़ो अभियान चलाया जाए ताकि नागरिक अस्पताल में कार्य करने वाने चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी व आमजन अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सकें।

जींद। अस्पताल में मौजूद बंदरों का झुंड। फोटो : हरिभूमि

गत वर्ष 24 मार्च के बाद फिर नहीं आए बंदर पकड़ने वाले

बार-बार गुहार लगाए जाने के बाद 23 फरवरी को 14 बंदर, तीन मार्च को आठ बंदर, पांच मार्च को दो बंदर पकडने वाली टीम नागरिक अस्पताल आई थी और बंदर पकड़े थे लेकिन आजतक भी टीम दोबारा बंदर पकडने के लिए नही आई है। अब फिर से 42वां रिमाइंडर भेजा है।

विज्ञान प्रतियोगिता में रीतू रही प्रथम

- राजीव गांधी कॉलेज उचाना में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

उचाना। राजीव गांधी महाविद्यालय उचाना में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्राचार्य रणबीर कौशल ने विद्यार्थियों को विज्ञान के महत्व के बारे में उल्लेख किया। प्रतियोगिता के आयोजन में मोनिका, अजंली प्राध्यापिकाओं की भूमिका अहम रही। प्रथम स्थान रीतू, द्वितीय काजल एवं तृतीय स्थान पर कोमल, कनिका ही। इस मौके पर सीनियर लेक्चरार डा. राजेश श्योकंद, अनिल, डा. मंजीत, डा. रीतिका, भतेरी मौजूद रही।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005